

SOCIAL WORK

सामाजिक कार्य

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिखे गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड - I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. (5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। (5x5=25 अंका)

Observers of contemporary Indian polity attribute the continued deterioration of India's public sector to the failure of accountability mechanisms in current governance structures. Many argue that the mechanisms are weak primarily due to the presence of prevalent incentives within the administrative and political system that encourages patron-client relationships. The dynamics of this relationship results in bureaucrats and politicians being accountable, internally and upwards to their individual patrons rather than to the needs of citizens. In a country such as India, when the poor rely on the state for basic survival and protection, the consequences of weak accountability are particularly debilitating. In the absence of accountability mechanisms, the poor are unable to interact, influence or exercise enforceability upon the state (out side of electoral politics). Thus, when government teachers and doctors do not come to work or when social security schemes do not cover intended beneficiaries, the poor have no recourse. Moreover, weak accountability encourages corruption. As one former Prime Minister famously said "of every one rupee spent on development, only 15 paise reaches the poor". The challenge India faces therefore is to identify processes through which accountability relationships are strengthened, leading to the state being more responsive to the needs of the poor...

In contemporary public policy discourse, accountability has been defined as a relationship in which powerholders can be held answerable for their conduct. Accountability consists of two elements, "answerability" (accounting for actions taken) and "unforceability" (punishments, sanctions or rewards for actions taken).

Accountability in public institutions operates on two levels; horizontal and vertical. Horizontal (supply-side) accountability is a relationship. Where one state agency monitors the activities of other state agencies. Institutional oversight, and checks and balances internal to the state machinery represent this relationship. Vertical (demand-side) accountability refers to the relationship between citizens and the state. Elections are the most conventional forms of vertical accountability. Recent formulations of accountability have expanded the realm of vertical accountability to include citizen-based action such as lobbying and advocacy. Theorists such as Goetz and Gaventa emphasise that both horizontal and vertical relationships of accountability must operate in tandem. This breaks the state's monopoly over institutional oversight and ensures that citizen perceptions contribute to state policy.

समयकालीन भारतीय राजतन्त्र के पर्यवेक्षक देश के जनक्षेत्र में हो रही निरन्तर गिरावट के लिए वर्तमान अभिशासन द्वारा जवाबदेही तन्त्र की असफलता को उत्तरदायी ठहराते हैं। बहुतों को यह दलील है कि यह जवाबदेही तन्त्रबन्धी सुधारों का निर्बल इसलिए है कि संरक्षक-ग्राहक सम्बन्धों को बढ़ावा देने वाली शासकीय एवं राजनीतिक प्रणाली में विकृत प्रोत्साहकों की उपस्थिति रहती है। इन सम्बन्धों की गतिशीलता का परिणाम यह होता है कि नौकर शाही और राजनीतिज्ञ नागरिकों को जवाबदेह होने की बजाय आन्तरिक रूप से निजी संरक्षकों के प्रति जवाबदेह हो जाते हैं। भारत जैसे देश में जहाँ निर्धन अपने अस्तित्व और सुरक्षा के लिए यात्रा रहस्य पर निर्भर करते हैं, ऐसे देश में निर्बल जवाबदेही विशेष रूप से विध्वंसक है। जवाबदेही की व्यवस्था की अनुपस्थिति में निर्धन, चुनावी राजनीति से बाहर, राज्य के साथ अन्तर-क्रिया करने प्रभावित करने और अपने अधिकारों को मनवाने में अयोग्य रहते हैं।

इसलिए, जब सरकारी अभ्यापक एवं ऑडिटर कायम पर नहीं आते अथवा सांघाजिक सुरक्षा स्कीमों का लाभ अपेक्षित लाभप्रदियों तक नहीं पहुंचता और निर्भन लोगों के लिए कोई अन्य चारा भी नहीं रहता। जवाबदेही रिश्तखोरी को बढ़ावा देती है। एक भूतपूर्व प्रधान मंत्री ने कहा भी था 'विकास पर खर्च किये गए प्रति रुपए में से केवल 15 पैसे ही गरीबों तक पहुंचते हैं।

इसलिए भारत के समक्ष यह चुनौती है कि वह ऐसी प्रक्रियाओं की शिनाखा करे जिससे जवाबदेही को सुदृढ़ता मिले और राज्य को निर्भनों की आवश्यकताओं के प्रति और अधिक उत्तरदायी बनाये।

समकालीन जन राजतन्त्र संवाद में जवाबदेही को यह परिभाषा दी गई है कि यह एक ऐसा सम्बन्ध है जो कि भारत को उनके आचार के लिए जवाबदेह ठहरता है। जवाबदेही के दो तत्व हैं उत्तरदेयता (किये गए कार्यों के लिए जवाबदेही) और प्रवर्त्यता (कार्यों के लिए दण्ड संस्कारियां अथवा पारितोषिक)।

जन संस्थानों में जवाबदेही दो स्तरों पर काम करती है: द्वितीय एवं ऊर्ध्व। द्वितीय (सापदा पक्ष) जवाबदेही एक ऐसा सम्बन्ध है जहाँ एक राज्य एजेंसी अन्य राज्य एजेंसियों के कार्य-कलापों को धनीय करती है। एक सम्बन्ध राज्य व्यवस्था को आन्तरिक व्यवस्थागत कृतियों तथा संतुलन-नियन्त्रण से प्रदर्शित होते हैं।

ऊर्ध्व जवाबदेही (वांग पक्ष) नागरिकों एवं राज्य के बोध के सम्बन्धों को ओर धिप करती है। ऊर्ध्व जवाबदेही का अत्याधिक परम्परागत रूप है चुनाव। जवाबदेही के अर्वाचीन विन्यास ने ऊर्ध्व जवाबदेही को के क्षेत्र को बढ़ावा है जिसमें अब नागरिक आधारित क्रियाएं तथा मतदान और पक्षपोषण आ जाती है। नियंत्रण एवं सर्वेक्षण जैसे सिद्धान्तवादी इस बात पर बल देते हैं कि जवाबदेही के द्वितीय एवं ऊर्ध्व दोनों सम्बन्धों को मिलान कर काम करना चाहिए। इससे व्यवस्थागत कृतियों पर राज्य का एकाधिकार समाप्त होता है और यह सम्बन्ध में नागरिक बोध क्षमता के योगदान को यकीनी बनाता है।

1. What do you understand by the term 'accountability'? Explain how weak accountability encourages corruption?

'जवाबदेही' पारिभाषिक शब्द से क्या अर्थ प्राप्त है? कमजोर जवाबदेही रिश्तखोरी को किस प्रकार से बढ़ावा देती है। स्पष्ट कीजिए।

- 2 Explain how public institutions can be made accountable and with what outcomes ?
जन संस्थानों को किस प्रकार जवाबदेह बनाया जा सकता और ऐसा करने के क्या परिणाम होंगे ? स्पष्ट कीजिए।

3. State in your own words why horizontal and vertical relationships of accountability must operate in tandem ?

अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए कि क्षैतिज और ऊर्ध्व सम्बन्ध क्यों मिल-जुल कर चलें ?

9. Define social problems and explain its meaning.

सामाजिक समस्या की परिभाषा दीजिए और इसके अर्थ को स्पष्ट कीजिए?

10. Explain any two techniques of behaviour modification.

व्यवहार परिष्करण की किन्ही दो तकनीकों का स्पष्ट कीजिए?

17. "Social legislation is an instrument for achieving social justice." Justify your answer.

"सामाजिक कानून सामाजिक न्याय को प्राप्त करने का साधन है।" अपने उत्तर को सत्यापित कीजिए।

18. What are the major health concerns of tribals in India ?

भारत में आदिवासियों की प्रमुख स्वास्थ्य चिंताएँ क्या हैं?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अंकित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

21. Explain the concept of human resource management and its role in attaining the welfare of working class in India.
मानव संसाधन प्रबन्धन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए और भारत में श्रमिक वर्ग के कल्याण को प्रतिष्ठ में इसकी क्या भूमिका है?
22. Critically discuss the causes and consequences of indebtedness among industrial workers in India.
भारत में औद्योगिक कामगारों (श्रमिकों) की ऋणग्रस्तता के कारणों और परिणामों की समीक्षितक चर्चा कीजिए?
23. Explain how HRD systems can be instrumental in promoting workers' participation in management?
मानव संसाधन प्रबन्धन के उपरान्त किस प्रकार प्रबन्धन में श्रमिकों की भागीदारी को बढ़ाने के उपकरण हो सकते हैं?
24. What modifications you would like to bring out in Factories Act, 1948 in the context of globalization?
ग्लोबलाइजेशन के प्रसंग में कारखाना अधिनियम 1948 में अथवा किन परिवर्तनों का सुझाव देंगे?
25. Discuss the role of Labour Welfare Officer in promoting corporate social responsibility programmes in India.
भारत में कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम को बढ़ावा देने में श्रम कल्याण अधिकारी की भूमिका की चर्चा कीजिए?

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. Differentiate between stress and crisis. Explain important techniques of crisis intervention.

दबाव और संकट में भेद कीजिए। संकट कालीन हस्तक्षेप की आवश्यक तकनीकों को स्पष्ट कीजिए?

22. Explain the relevance and significance of play therapy in a Child Guidance Clinic.

बाल निर्देशन क्लिनिक में खेल चिकित्सा विधि की प्रासंगिकता और महत्व को स्पष्ट कीजिए?

23. Prepare a plan of action for enhancing the coping skills of families of discharged patients of schizophrenia.

सिजोफ्रेनिया के अस्पताल से मुक्त किये गए रोगियों को देखभाल के लिए उनके परिवारों के कौशल को बढ़ाने के लिए कार्य योजना तैयार कीजिए?

24. Describe the role and utility of support groups for cancer patients in a hospital setting.

अस्पताल क्षेत्र में कैंसर के रोगियों के लिए समर्थन समूहों की भूमिका और उपयोगिता का वर्णन कीजिए?

25. "Privatisation of health services have made the quality health care services inaccessible to the poor" – Comment.

'स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण ने गुणवत्तात्मक स्वास्थ्य सेवाओं को निर्भने के लिए अउपलब्ध बना दिया है?' टिप्पणी कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. Sketch the process of Community Organisation.

सामुदायिक संगठन की प्रक्रिया का चित्रण कीजिए?

22. Explain the concepts of urban, urbane, urbanism and urbanisation.
नगरीय, नगर, नगरवाद और नगरीकरण की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए?
23. Differentiate between community organisation, community work and community development.
सामुदायिक संगठन, सामुदायिक कार्य और सामुदायिक विकास में भेद कीजिए?
24. How will you address educational needs of children in urban slums ?
नगरीय घनिष्ठ बस्तियों के बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं का आप किस प्रकार सम्बोधित करेंगे?
25. Critically analyse the role of Panchayat Raj Institutions in watershed management.
जल विभाजक प्रबन्धन में पंचायती राज संगठनों की भूमिका का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए?

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प - IV

21. Write about the different forms of elder abuse and its implications to the physical and psychological well being of the elderly.
बुढ़े दुरुपयोग के विभिन्न स्वरूपों का लिखिए और बुढ़े के शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य में इनसे पैदा होने वाली उलझने कौन सी हैं?
22. Explain the role of social worker in protecting the rights of orphaned and vulnerable children.
अनाथ एवं कमजोर बच्चों के अधिकारों के संरक्षण में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका को स्पष्ट कीजिए?
23. What is the phenomenon of declining sex ratio ? Examine its impact on the status of women.
लिंग अनुपात का दृश्य क्या है? महिलाओं की स्थिति पर इसके प्रभाव की जांच कीजिए?
24. Critically evaluate the role of family counselling services in helping married couples to cope with the challenges in family relations.
विवर्धित युगलों को पारिवारिक सम्बन्धों की चुनौतियों से निपटने के लिए परिवार परामर्श सेवाओं की भूमिका का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए?

25. What are the major features of the Protection of Women Domestic Violence Act, 2005 ? Critically examine its effectiveness in containing violence against women in families.

महिला संरक्षण घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 की मुख्य विशेषताएँ लिखिए। परिवारों में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के निवारण में उक्त अधिनियम कहीं तक प्रभावशाली सिद्ध हुआ है? समीक्षात्मक घुल्ट्यांकन कीजिए?

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प - V

21. 'Not all deviance is criminal behaviour' - Discuss.

'सभी प्रकार के विचलन अपराधिक व्यवहार नहीं है।' समीक्षा कीजिए।

22. Draw a comparison between punishment and corrections in reforming criminal behaviour.

अपराधिक व्यवहार के सुधार में दंड तथा सुधार के मध्य तुलना कीजिए?

23. Discuss main recommendations of Malimath Committee on reform of criminal justice system.

अपराधिक न्याय व्यवस्था के सुधार के लिए मलित मालोमथ समिति के मुख्य सिफारिशों का वर्णन कीजिए?

24. 'Parole in India has not served its intended purposes'. Comment.

'भारत में पैरोल अपने आर्पेक्षित उद्देश्यों को प्राप्त नहीं कर सका है।' टिप्पणी कीजिए?

25. Describe the fundamental principles of criminal jurisprudence.

अपराधिक न्यायशास्त्र के मूल सिद्धांतों का वर्णन कीजिए?

SECTION - IV

खण्ड-IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Explain in detail the use of provisions of the Right to Information Act, 2005 in effectively helping clientele in the context of social work practice.

सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के उन प्रावधानों को सविस्तर स्पष्ट कीजिए, जिनके प्रयोग से समाज कार्य अभ्यास के प्रसंग में सेवाार्थियों की प्रभावशाली ढंग से सहायता की जा सकती है।

OR / अथवा

Discuss the concept of social exclusion. How social work profession working towards socially just society can achieve an inclusive society ?

'सामाजिक बहिष्करण' की अवधारणा को समझा कीजिए। न्याय संगत समाज के लिए समाज-कार्य व्यवसायी किस प्रकार संघेकित समाज के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं?

OR / अथवा

'Development with social justice is the need of the hour. Discuss the statement focussing on human rights dimensions of social work practice.

'सामाजिक न्याय के साथ विकास समय की आवश्यकता है।' समाज कार्य अभ्यास की परिभाषा में आने वाले मानव-अधिकारों के केंद्र बिन्दु मानते हुये इस कथन को समझा कीजिए।